सरस्वती प्रसाद, आई.ए.एस
संयुक्त सचिव

भारत सरकार
पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय

डी.ओ. सं. एस-18020/24/2015-एसबीएम

13 मार्च, 2015

प्रिय महोदय/महोदया

मुझे यह बताते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय दिनांक 14 अप्रैल, 2015 को ठोस एवं तरल अपशिष्ट पदार्थ प्रबंधन पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित कर रहा है। माननीय मंत्री जी ने इस कार्यशाला की अध्यक्षता करने की सहमति व्यक्त की है।

2. आप यह मानेंगे कि ठोस एवं तरल अपशिष्ट पदार्थ प्रबंधन स्वच्छ भारत का एक महत्वपूर्ण घटक है। एक स्वच्छ गाँव में शौच के लिए सुरक्षित स्थान ही नहीं बल्कि उपयुक्त ठोस अपशिष्ट एवं ग्रे-वॉटर का प्रबंधन भी शामिल है।

3. इस कार्यशाला का उद्देश्य सफल कहानियों को आपस में साझा करना तथा एक दूसरे से सीख लेना है। अध्ययन तथा साझा करने के क्षेत्रों में सफलता की प्राप्ति में आने वाली तकनीकें, अन्वेषण तथा प्रक्रिया शामिल है। अत: अनुसंधान मॉडल पर ध्यान देने के बजाए कार्यशाला में प्रथाओं को साझा करने पर बल दिया जाएगा जो सफलतापूर्वक क्षेत्र में प्रदर्शित किए गए हैं तथा स्थायी हैं।

4. मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि आप इस विषय पर कार्य करने वाले 2-3 अन्य अधिकारियों के साथ इस कार्यशाला में उपस्थित हों।

5. मुझे विश्वास है कि आपके राज्य में ठोस एवं तरल अपशिष्ट पदार्थ प्रबंधन के सफल कार्यान्वयन के उदाहरण अवश्य होंगे। मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि आप ऐसे 2 संसाधन व्यक्तियों को खासकर सरपंच/अधिकारी/एजेंसी को इस कार्यशाला के लिए नामित करें जो वास्तव में गाँवों में एसएएलडब्ल्यूएम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में अच्छा कार्य कर रहे हैं। उनके नाम डॉ (श्रीमती) डी.एस. शाइनी, परामर्शदाता (एसएंडडब्ल्यूएम), एनआरसी (ई-मेल-shyni.stephen@gov.in, मोबाइल-9654256770) तथा डॉ. गंगाधर मुरुगन, परामर्शदाता-एनआरसी (ई-मेल-ddws_nrcecon@nic.in, मोबाइल- 7838158808) को सूचित करें।

6. मुझे विश्वास है आपके राज्य से इस कार्यशाला में सक्रिय भागीदारी होगी और आप कार्यशाला को सफल बनाएंगे। इस मंत्रालय के अधिकारी इस कार्यशाला की तैयारियोंके संयोजन के लिए आगे भी राज्य के एसबीएम (जी) राज्य संयोजकों के संपर्क में रहेंगे।

सादर,

भवदीय

(सरस्वती प्रसाद)

सेवा में,
प्रधान सचिव, ग्रामीण स्वच्छता के प्रभारी,
सभी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र

प्रति: डॉ. निपुन विनायक, उप सचिव, एमडीडब्ल्यूएस, श्री जी. बालासुब्रमण्यम, उप सलाहकार, एमडीडब्ल्यूएस